

4/3/21

वखलाय अनु०।

आधे वषल इत्यन्त वषि वेरु कदि वेरु लागल
अवद-वण्ड रेहेये आण की अनुपस्थित होजिल
पट आधेवषल प्रप वदि को वर वर-अक
अक कर भावदि लागि गदि सोपण्ट की
अनुपस्थित अहे ये आधेवषल भाय वदि अण
उरुत अण पण अन्तर्हि चाल ३३, १२४
५३ R.T. दिव १९९४ खान अणजे अणवेदी
स्वादिन क्रिया लागल हो पत्रवली अण अण
होत्र नम्वर ले कर हो

[Signature]
De 30/21